शमशाबाद हुआ सूर्य नगर, 163 करोड़ की विकास इबारत

सीएम यादव ने पहली फिंगरप्रिंट लैब का किया शुभारंभ

नवभारत न्यूज

विदिशा 7 मार्च मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को विदिशा जिले के शमशाबाद में 163.62 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी.इस दौरान उन्होंने जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के लिए 97 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया. मुख्यमंत्री ने प्रदेश की पहली जिला स्तरीय फिंगरप्रिंट लैब का भी शुभारंभ किया.

मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से शमशाबाद पहुंचे.उनके स्वागत में एक रोड शो निकाला गया, जिसमें मुख्यमंत्री के साथ शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा भी रथ पर सवार रहे. रोड शो के दौरान जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया.इसके बाद मुख्यमंत्री पीएमश्री बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे और जनसभा को संबोधित किया.रोड शो में शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा भी सीएम के साथ रथ पर सवार रहे.रोड शो में शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा भी सीएम के साथ रथ पर सवार रहे. सिरोंज विधानसभा में 37.36 करोड़ के 15 कार्यों का भूमिपूजन और 10.02 करोड़ के 5 कार्यों का लोकार्पण हुआ. कुरवाई विधानसभा में 1.19 करोड़ के 7 कार्यों का भूमिपूजन और 44.18 करोड़ के 16 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इसी तरह, विदिशा विधानसभा में 8.96 करोड़ के 8 कार्यों का भूमिपूजन और 3.14 करोड़ के 9 कार्यों का लोकार्पण हुआ, जबकि गंजबासौदा विधानसभा में 3.53 करोड़ के 15 कार्यों का भूमिपूजन और 1.29 करोड़ के 4 कार्यों का लोकार्पण किया गया. सीएम को सुनने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहुंचे थे.मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता मिल रही है और सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.सभा में मुख्यमंत्री ने शमशाबाद के विकास के लिए नगर परिषद को 3 करोड़ रुपए देने की घोषणा की. इसके साथ ही नवीन सब-स्टेशन बनाने, संजय सागर बांध और सगड़ बांध से सिंचाई परियोजना शुरू करने की भी घोषणा की.

56 निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया

कार्यक्रम में कुल 104.30 करोड़ रुपए की लागत से 56 निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया, जबकि 59.32 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए 41 निर्माण कार्यों का लोकार्पण हुआ.इन कार्यों में शमशाबाद विधानसभा के लिए 53.26 करोड़ के 11 कार्यों का भूमिपूजन और 0.69 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण शामिल है.

नए सब-स्टेशन बनाने की घोषणा

सभा में मुख्यमंत्री ने शमशाबाद के विकास के लिए नगर परिषद को 3 करोड़ रुपए देने की घोषणा की. इसके साथ ही नवीन सब-स्टेशन बनाने, संजय सागर बांध और सगड़ बांध से सिंचाई परियोजना शुरू करने की भी घोषणा की. मुख्यमंत्री ने शमशाबाद का नाम बदलकर सूर्य नगर करने की घोषणा की.

सीएम बोले- बीजेपी के दौर में सिंचित क्षेत्र बढ़ रहा

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि वर्षों तक नदियों का पानी बहता रहा, लेकिन किसानों तक सिंचाई की सुविधा नहीं पहुंच सकी. उन्होंने जोर दिया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में सिंचित क्षेत्र तेजी से बढ़ा है और आने वाले वर्षों में इसे और बढ़ाया जाएगा.

कई सालों की मांग हुई पूरी

मुख्यमंत्री ने शमशाबाद का नाम बदलकर सूर्य नगर करने की घोषणा की.शमशाबाद को सूर्य नगर बनाने के लिये विधायक सूर्य प्रकाश मीणा और वहां के नागरिक कई सालों से मांग कर थे.

जूनियर डॉक्टरों ने स्टाइपेंड संशोधन को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

सीपीआई आधारित वार्षिक संशोधन लागू करने और लंबित एरियर भुगतान की मांग

समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

नवभारत न्यूज

विदिशा 7 मार्च, मध्यप्रदेश के जूनियर डॉक्टरों ने स्टाइपेंड में संशोधन और लंबित भुगतान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा . जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन, मध्यप्रदेश की ओर से यह ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम भेजा गया, जिसमें प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत जूनियर और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के स्टाइपेंड में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर संशोधन लागू करने की मांग की गई है.

ज्ञापन में बताया गया है कि राज्य शासन द्वारा पूर्व में जारी आदेश के अनुसार रेजिडेंट डॉक्टरों के स्टाइपेंड में हर वर्ष 1 अप्रैल से सीपीआई के अनुसार संशोधन किया जाना अनिवार्य है. इसका उद्देश्य महंगाई के अनुरूप डॉक्टरों को उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है. लेकिन 1 अप्रैल 2025 से देय संशोधित स्टाइपेंड अभी तक लागू नहीं किया गया है, जिससे प्रदेश के विभिन्न शासकीय मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत रेजिडेंट डॉक्टरों को आर्थिक और व्यावसायिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है.जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने अपने ज्ञापन में मांग की है कि 1 अप्रैल 2025 से देय सीपीआई आधारित स्टाइपेंड संशोधन को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए और वर्तमान तिथि तक का लंबित एरियर भी शीघ्र भुगतान किया जाए. इसके साथ ही 1 अप्रैल 2026 से आगामी संशोधन को भी समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से लागू करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की देरी न हो.एसोसिएशन ने कहा कि इस विषय को लेकर पूर्व में भी संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है. इस कारण प्रदेशभर के रेजिडेंट डॉक्टरों में नाराजगी बढ़ रही है.यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया जाता है तो जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है. प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत 6 मार्च से रेजिडेंट डॉक्टर काली पट्टी बांधकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज की.वहीं 8 मार्च 2026 को प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में अस्पताल परिसरों के बाहर जस्टिस मार्च निकालने की योजना बनाई गई है.जेडीए के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित करना नहीं है, बल्कि सरकार का ध्यान अपनी जायज मांगों की ओर आकर्षित करना है.

बलात्कार का आरोपी दोष मुक्त

नवभारत न्यूज

विदिशा, न्यायालय द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कंचन सक्सेना द्वारा आरोपी इशांत चाबरिया के ऊपर उसी के समाज की एक युवती द्वारा आरोप लगाया गया था कि आरोपी इशांत चाबरिया उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता था एवं आरोपी द्वारा शादी से इनकार करने पर युवती ने उसके विरुद्ध बलात्कार का मुकदमा कोतवाली विदिशा में दर्ज करवाया था ,जिसका विचारण द्वितीय अतिरिक्त कंचन सक्सेना के न्यायालय में हुआ था.आरोपी की ओर से पेरवी सुश्री आरती अहिरवार एडवोकेट द्वारा की गई.सुश्री आरती अहिरवार एडवोकेट द्वारा प्रस्तुत तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपित बलात्कार के अपराध से आरोपी इशांत चाबरिया को दोष मुक्त कर दिया.

अनाज तिलहन व्यापार उत्थान संघ का होली मिलन समारोह आयोजित

नवभारत न्यूज

विदिशा,शहर के स्वर्णकार कॉलोनी स्थित विनायक बैंक्विट हॉल में अनाज तिलहन व्यापार उत्थान संघ द्वारा पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर शहर के व्यापारियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर, गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी सौहार्द तथा भाईचारे का संदेश दिया.

समारोह में संघ के अध्यक्ष राधेश्याम माहेश्वरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों और व्यापारियों का तिलक लगाकर स्वागत किया और होली पर्व की बधाई दी.कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी मतभेदों को भुलाकर एक-दूसरे के साथ प्रेम और भाईचारे के साथ होली की खुशियां साझा करना रहा.होली मिलन समारोह में बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, व्यापारी वर्ग तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल हुए.कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू हुआ और देर शाम तक चलता रहा. इस दौरान धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई, जिन्हें उपस्थित लोगों ने उत्साह के साथ देखा और सराहा.कार्यक्रम के दौरान सभी लोगों ने एक-दूसरे के माथे पर तिलक लगाकर आपसी मतभेदों को भुलाने और समाज में एकता व सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया. साथ ही उपस्थित अतिथियों और व्यापारियों ने सामूहिक रूप से भोजन भी ग्रहण किया.आयोजन में शहर के कई प्रतिष्ठित व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने इस तरह के कार्यक्रमों को समाज में आपसी सहयोग और सौहार्द बढ़ाने के लिए आवश्यक बताया.

फूल फाग महोत्सव में संयुक्त परिवारों और सास-बहुओं का सम्मान

नवभारत न्यूज

विदिशा, शक्ति आराधना सनातन सांस्कृतिक संस्थान द्वारा आयोजित फूल फाग महोत्सव समारोह में शहर के संयुक्त परिवारों तथा सास-बहुओं का सम्मान किया गया.कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा भगवान कृष्ण और मां भगवती को फूल व गुलाल अर्पित कर की गई.इसके बाद पूरे माहौल में होली और फागोत्सव की रंगीन छटा देखने को मिली.कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने छोटे-छोटे बच्चों को राधा-कृष्ण के रूप में श्रृंगार किया.राधा-कृष्ण तथा गोप-गोपियों के रूप में सजे बच्चों के साथ महिलाओं ने फूलों की होली खेलते हुए उत्सव का आनंद लिया. इस अवसर पर महिलाओं के लिए फागोत्सव से जुड़े विभिन्न मनोरंजक खेल भी आयोजित किए गए. कार्यक्रम में राधा-कृष्ण के रूप में सजकर आए बच्चों को उपहार भी भेंट किए गए.कार्यक्रम की आयोजक डॉ. मिथलेश दांगी एवं निर्मल कौर ने बताया कि भारत के त्योहार और संस्कृति समाज को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं. उन्होंने कहा कि होली का पर्व आज सामाजिक समरसता और भाईचारे का प्रतीक बन चुका है. फागोत्सव में समाज की मातृ शक्ति, महिला मंडल की पदाधिकारी, सदस्य, कार्यकर्ता और बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया.उन्होंने बताया कि जिस प्रकार होली को वसंत ऋतु का संदेशवाहक माना जाता है, उसी प्रकार धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है.इस दिन लोग आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे को रंग लगाकर प्रेम और सौहार्द का संदेश देते हैं.कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र सिंह टीलाखेड़ी ने किया.इस अवसर पर पप्पू सरदार, प्रशांत रघुवंशी, बल्लू महाराज, भरत रागी, बलजीत सिंह गिल, जया चौकसे, नवीन कोठारी सहित शहर के अनेक वरिष्ठजन, महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

कायस्थ समाज का होली मिलन समारोह आज

नवभारत न्यूज

विदिशा,कायस्थ सभा द्वारा आज रविवार को शेरपुरा स्थित समाज की धर्मशाला के लाल बहादुर शास्त्री सभागार में होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा।?दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में गुलाल व फूलों की होली खेली जाएगी। कायस्थ समाज के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने बताया कि भजन गायक ऋषि श्रीवास्तव द्वारा फाग गीत व भजनों क प्रस्तुति दी जाएगी.उन्होंने कायस्थ बंधुओं से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है.

भंडारे का किया आयोजन

नवभारत न्यूज

विदिशा, करीला धाम जाने वालों के लिए विशाल भंडारा का आयोजन ग्राम देव खजूरी में करीला धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को नि:शुल्क भोजन भंडारे की आयोजन किया जा रहा है.मैया जानकी करीला मेला में जाने वाले श्रद्धालुओं से विनम्र निवेदन है कि वह भोजन प्रसाद लेकर ही से जावे.

धधक उठा जंगल, गढ़वाली पहाड़ी क्षेत्र में लगी आग

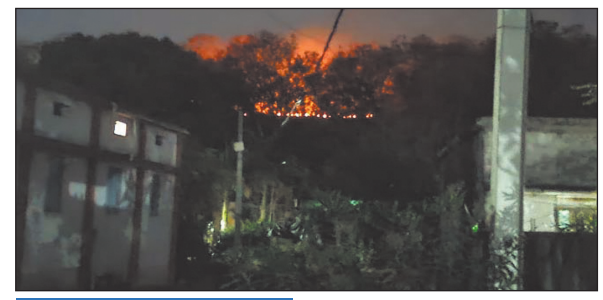

वन संपदा जलकर खाक, फसलों और वन्य जीवों पर भी मंडराया खतरा

नवभारत न्यूज

ग्यारसपुर,गर्मियों की शुरुआत होते ही जंगलों में आग लगने की घटनाएं सामने आने लगी हैं. ग्यारसपुर वन परिक्षेत्र के आसपास फैले प्राकृतिक जंगलों में भी आग ने वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है.जानकारी के अनुसार ग्यारसपुर नगर के चारों ओर फैले अधिकांश जंगल वन विकास निगम के हैंडओवर में हैं.हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गर्मी शुरू होते ही जंगलों में आग लगने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है इसी कड़ी में ग्यारसपुर नगर से लगे गढ़वाली पहाड़ी क्षेत्र, जहां श्मशान शेड और वन विभाग की नर्सरी स्थित है, वहां के जंगल में आग भड़क उठी. देखते ही देखते आग ने आसपास के क्षेत्र को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया, जिससे बड़ी मात्रा में वन संपदा जलकर खाक हो रही है.स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी क्षेत्र में किसानों की फसलें पककर तैयार खड़ी हैं. यदि जंगल की आग खेतों की ओर बढ़ती है तो किसानों की मेहनत से तैयार फसलें भी पल भर में जलकर राख हो सकती हैं.जंगल में लगी आग से केवल पेड़-पौधों को ही नुकसान नहीं होता, बल्कि वहां रहने वाले जंगली वन्य प्राणियों के जीवन पर भी संकट मंडराने लगता है.आग के कारण वन्य जीवों का प्राकृतिक आवास नष्ट होने का खतरा बढ़ जाता है.इस संबंध में जब वन विकास निगम के रेंजर दिनेश परिहार से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही कर्मचारियों को मौके पर भेज दिया गया है और आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं. साथ ही यह भी जांच कराई जा रही है कि जंगल में आग किन कारणों से लगी.

घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़े, फिर महंगी हुई रसोई गैस

घरेलू सिलेंडर 60 महंगा होकर 926 .50 रुपये, कॉमर्शियल सिलेंडर भी 115 से 144 तक महंगे

25 दिन बाद मिलेगा दूसरा सिलेण्डर

नवभारत न्यूज

विदिशा, भारत सरकार ने एक बार फिर रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है, जिससे आम उपभोक्ताओं और व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है.देर रात 12 बजे से घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 60 की वृद्धि लागू कर दी गई है.अब घरेलू गैस सिलेंडर 926 रुपये 50 पैसे में मिलेगा, जबकि इससे पहले इसकी कीमत 866 रुपये 50 पैसे थी.पिछले कुछ वर्षों में गैस सिलेंडर की कीमतों में कई बार बदलाव हुआ है. 1 नवंबर 2023 को घरेलू सिलेंडर की कीमत 916 रुपये 50 पैसे थी. इसके बाद 1 अप्रैल 2024 को इसमें ?100 की कमी कर कीमत 816 रुपये 50 पैसे कर दी गई थी. फिर 8 अप्रैल 2025 को ?50 की बढ़ोतरी के साथ इसकी कीमत 866 रुपये 50 पैसे हो गई. अब 7 मार्च 2026 को एक बार फिर ?60 बढ़ाकर कीमत 926 रुपये 50 पैसे कर दी गई है.इसके साथ ही मध्य प्रदेश में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलो) की कीमतों में भी 7 मार्च 2026 से 115 से 144 तक की बढ़ोतरी की गई है।प्रदेश के अलग-अलग शहरों में नई दरें लागू कर दी गई हैं. इस बढ़ोतरी से होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यापारियों की लागत बढ़ने की संभावना है.लगातार बढ़ती महंगाई के बीच गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है. इस मामले में विदिशा गैस एजेन्सी के संचालक विवेक ठाकुर का कहना है कि पहले जहां नया सिलेण्डर बुक कराने की समय सीमा 10 दिन थी और उसके बाद ओटीपी मिलने के बाद एक या दो दिन में सिलेण्डर मिल जाता था लेकिन अब 25 दिन से पहले सिलेण्डर नहीं मिलेगा यानि की एक महिने में एक सिलेण्डर ही मिलेगा. भले ही सिलेण्डर 10 दिन में बुक हो जाये.परन्तु नया 25 दिन बाद ही मिलेगा.इस नये नियम से कई ऐसे परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है जिन परिवारों में सदस्य ज्यादा है और सिलेण्डर 10 से 15 दिन ही चलता है.